भावानुभाव के समापन पर बही राधा-कृष्ण प्रेम और भक्ति की रसधार

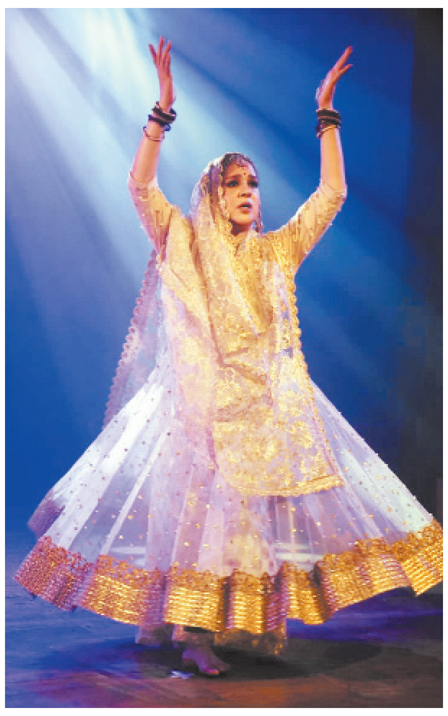

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भारत भवन में आयोजित तीन दिवसीय नृत्य समारोह 'भावानुभाव' का रविवार को भावपूर्ण समापन हुआ। अंतिम दिन अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कथक नृत्यांगना मंजरी चतुर्वेदी ने अपनी चर्चित प्रस्तुति 'राधा रास : राधा कन्हैया का किस्सा' से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

करीब 75 मिनट तक चली प्रस्तुति में राधा-कृष्ण के दिव्य प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का जीवंत चित्रण देखने को मिला। मंजरी चतुर्वेदी ने कथक की भावपूर्ण अभिव्यक्तियों के माध्यम से राधा के प्रेम, विरह, मिलन और समर्पण को प्रभावशाली ढंग से मंच पर उतारा। प्रस्तुति केवल नृत्य तक सीमित नहीं रही, बल्कि प्रेम और भक्ति की आध्यात्मिक अनुभूति बनकर दर्शकों के सामने उभरी। कार्यक्रम में कृष्ण भक्ति पर आधारित सूफी परंपरा और मुस्लिम कवियों की रचनाओं को भी कथक और संगीत के साथ प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति में अवध के नवाब वाजिद अली शाह, रामपुर के नवाब रजा अली तथा नजीर अकबराबादी जैसे रचनाकारों के कृष्ण प्रेम और सांस्कृतिक योगदान का उल्लेख किया गया। इसके माध्यम से भारतीय संस्कृति की साझा विरासत और प्रेम की सार्वभौमिक भावना को रेखांकित किया गया। यमुना, वृंदावन, शुक-संदेश और रासलीला जैसे प्रसंगों का कलात्मक चित्रण दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। राधा को प्रेम और भक्ति की सर्वोच्च अभिव्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करते हुए यह संदेश दिया गया कि आध्यात्मिकता का सबसे सशक्त मार्ग प्रेम है।

कथक, कविता, सूफी संगीत और कृष्ण भक्ति के अद्भुत संगम ने समारोह को यादगार बना दिया। प्रस्तुति के अंत में दर्शकों ने कलाकार का गर्मजोशी से स्वागत किया और पूरे सभागार में देर तक तालियों की गूंज सुनाई देती रही। भावानुभाव के समापन पर कथक और सूफी संगीत के संगम ने बांधा समां, राधा रास ने किया मंत्रमुग्ध।

मंत्री विश्वास सारंग ने दिए सख्त निर्देश

नरेला में बारिश पूर्व तैयारियों का निरीक्षण

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः आगामी मानसून को देखते हुए सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने नरेला विधानसभा क्षेत्र में जलभराव और बाढ़ की आशंका को लेकर जमीनी निरीक्षण किया। रविवार सुबह वे स्वयं सड़कों पर उतरे और नगर निगम तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ नाले-नालियों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।

उन्होंने प्रभात चौराहा, महामाई की पुलिया, द्वारका नगर और भानपुर खंती सहित कई क्षेत्रों का निरीक्षण कर सफाई कार्यों की स्थिति देखी। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर नाले-नालियों की सफाई संतोषजनक नहीं पाए जाने पर मंत्री सारंग ने अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और स्पष्ट निर्देश दिए कि बारिश शुरू होने से पहले सभी नालों की पूर्ण सफाई अनिवार्य रूप से की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी क्योंकि इससे नागरिकों को जलभराव और बाढ़ जैसी गंभीर समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

मंत्री ने भानपुर क्षेत्र में निर्माणाधीन एनएचएआई 10 लेन प्रोजेक्ट के कारण पातरा नाले में डाली गई मिट्टी पर नाराजगी जताई और तत्काल सफाई शुरू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नाले की रुकावट पूरे भोपाल की जल निकासी व्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। निरीक्षण के बाद मौके पर ही मिट्टी हटाने का कार्य प्रारंभ कराया गया। उन्होंने अधिकारियों को नालों पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने और मानसून से पहले सभी संवेदनशील क्षेत्रों में सफाई कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री सारंग ने कहा कि सरकार का लक्ष्य बारिश के दौरान नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाना है, जिसके लिए प्रशासन को पूरी गंभीरता और समन्वय के साथ कार्य करना होगा।

पौधरोपण अभियान नहीं, जीवन की आवश्यकता : सबनानी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः दक्षिण पश्चिम विधानसभा के विधायक भगवानदास सबनानी ने पर्यावरण दिवस और मोदी सरकार के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रविवार को न्यू रेडियो कॉलोनी, भारत माता चौराहे के पास स्थानीय नागरिकों के साथ पौधारोपण किया।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत कॉलोनी परिसर और गार्डन में लगभग 100 पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं और कॉलोनीवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विधायक सबनानी ने कहा कि वृक्षारोपण केवल अभियान नहीं बल्कि सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करना आवश्यक है, ताकि वे बड़े होकर आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुंदर पर्यावरण दे सकें। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से एक पौधे की जिम्मेदारी लेकर उसकी देखभाल करने का आह्वान किया। इस अवसर पर कॉलोनी की महिला भजन मंडली ने ढोल, मंजीरा और अन्य भजन सामग्री भी भेंट की गई।

महामंडल विधान का विश्व शांति महायज्ञ के साथ समापन और शोभायात्रा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः चौक जिनालय से विश्व शांति महायज्ञ के साथ सिद्धचक्र महामंडल विधान का आठ दिवसीय अनुष्ठान ससंघ मुनि संभव सागर महाराज के सानिध्य में भव्य समापन हुआ। समापन अवसर पर धर्म ध्वजा के तले भगवान जिनेंद्र की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने अभिषेक, जाप एवं परिक्रमा कर भगवान सिद्ध की आराधना की। मुनि संभव सागर महाराज ने कहा कि धार्मिक अनुष्ठानों का उद्देश्य केवल पूजा नहीं, बल्कि जीवन में अहिंसा, जीव दया, पर्यावरण संरक्षण और आपसी सहयोग की भावना को सुदृढ़ करना होना चाहिए। शोभायात्रा में भगवान जिनेंद्र का रथ आकर्षण का केंद्र रहा। धार्मिक क्रियाएं अविनाश भैया के निर्देशन में संपन्न हुईं। प्रमुख पात्रों द्वारा मंडल पर अर्घ्य अर्पित किए गए तथा अनेक श्रद्धालु इस अवसर पर उपस्थित रहे। समापन समारोह में धार्मिक अनुशासन, भक्ति और शांति का संदेश पूरे नगर में प्रसारित हुआ तथा आयोजकों ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और आयोजन की सफलता की सराहना की गई।

प्रदेश में जनकल्याण शिविर 12 से

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 12 से 18 जून 2026 तक प्रदेश के सभी विकासखंड और नगरीय निकाय मुख्यालयों पर तीन दिवसीय 'जनकल्याण शिविर' आयोजित किए जाएंगे।

इन शिविरों का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करना तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन शिविरों में केन्द्र एवं राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं के पात्र लेकिन वंचित लाभार्थियों की पहचान कर उनका पंजीयन, स्वीकृति और लाभ वितरण प्राथमिकता से किया जाएगा। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के तहत व्यक्तिगत शौचालय योजनाओं के आवेदन भी लिए जाएंगे और उनका तत्काल निराकरण किया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी संभागायुक्त, कलेक्टर और नगरीय निकाय अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि शिविरों में वरिष्ठ अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। सभी विभागों के अधिकारी मौके पर ही आवेदनों की जांच कर यथासंभव निराकरण सुनिश्चित करें।

शिविरों में प्राप्त आवेदन सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से दर्ज और निस्तारित किए जाएंगे। इसके लिए विशेष मॉड्यूल तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा लोक सेवा गारंटी अधिनियम और राजस्व मामलों सहित सभी लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

शिविरों में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां एक ही स्थान पर आवेदन, पंजीयन और सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। नागरिकों की सुविधा के लिए छाया, पेयजल और स्वच्छता की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

तीन मंजिला इमारत में आग, छह रेस्टोरेंट प्रभावित

लालघाटी इलाके में देर रात लगी आग, फायर ब्रिगेड ने एक घंटे में पाया काबू

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी भोपाल के लालघाटी इलाके में शनिवार-रविवार की देर रात एक तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत में भीषण आग लग गई। इस इमारत में छह रेस्टोरेंट संचालित हो रहे थे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग की जानकारी सुबह उस समय सामने आई जब पास की इमारत के गार्ड ने धुआं उठते देखा और तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

एलर कॉम्प्लेक्स नाम की इस इमारत में मुख्य रूप से भोज इन रेस्टोरेंट सहित कई फूड आउटलेट और दुकानें संचालित हो रही थीं। आग रेस्टोरेंट के किचन में लगी, जो बाद में धीरे-धीरे अन्य हिस्सों तक फैल गई। धुआं इतना घना था कि यह लगभग पांच किलोमीटर दूर तक दिखाई दे रहा था। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की आठ गाड़ियां, जिनमें तीन वाटर टैंकर भी शामिल थे, मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। आग लगने के दौरान सबसे बड़ा खतरा किचन में रखे चार कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों से था। दमकलकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए सभी सिलेंडरों को समय रहते बाहर निकाल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। फायर अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। घटना के समय रेस्टोरेंट बंद था और अंदर कोई मौजूद नहीं था।

अधिकारियों ने बताया कि मौके पर रखे फायर एक्सटिंग्विशर का भी उपयोग किया गया, जिससे आग फैलने की गति को कम करने में मदद मिली। फिलहाल नुकसान का आकलन किया जा रहा है और जांच जारी है।

ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता 85 हजार एमवीए के पार

नप्र, भोपालः ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपनी कुल ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता 85 हजार एमवीए के पार पहुँचा दी है। अब एमपी ट्रांस्को की कुल पारेषण क्षमता बढ़कर 85284 एमवीए हो गई है। यह उपलब्धि 400 केवी सबस्टेशन बीना में 315 एमवीए क्षमता के अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर की स्थापना और सफल ऊर्जीकरण से संभव हुई है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बीना क्षेत्र में औद्योगिक विकास और बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए सबस्टेशन की क्षमता को बढ़ाकर 1260 एमवीए किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कुल 1052 अति उच्च वोल्टेज पावर ट्रांसफार्मर कार्यरत हैं, जिनमें 400 केवी, 220 केवी और 132 केवी क्षमता के ट्रांसफार्मर शामिल हैं।

प्रेरणा सेवा ट्रस्ट ने मनाया स्थापना दिवस मरीजों की सेवा को बताया सर्वोच्च दायित्व

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः गांधी चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध हमीदिया अस्पताल परिसर स्थित प्रेरणा सेवा ट्रस्ट ने रविवार को अपना 32वां स्थापना दिवस गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया। ट्रस्ट की स्थापना 7 जून 1994 को स्वर्गीय सरदार दयाल सिंह सलूजा की जयंती पर की गई थी।

ट्रस्ट द्वारा जरूरतमंद मरीजों और उनके परिजनों के लिए निःशुल्क चाय-नाश्ता, दोनों समय भोजन, दूध-दलिया, वस्त्र, दवाइयां, व्हीलचेयर, वॉकर, चिकित्सा जांच सहायता, रैन बसेरा, एंबुलेंस सेवा तथा ई-रिक्शा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके साथ ही परिसर में दो प्याऊ भी संचालित किए जा रहे हैं। रैन बसेरा में ठहरने वाले परिजनों को भी निःशुल्क भोजन और नाश्ते की व्यवस्था दी जाती है। मुख्य अतिथि गांधी मेडिकल कॉलेज के प्रो. राकेश मालवीय और डॉ. जीवन सिंह मीणा रहे। अतिथियों का स्वागत पौधा भेंट कर किया गया। डॉ. मालवीय ने कहा कि प्रेरणा सेवा ट्रस्ट वर्षों से जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित है और अस्पताल की शासकीय व्यवस्थाओं के साथ सहयोगी भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर समन्वय ग्रुप भोपाल और दीनी वेलफेयर सोसायटी, औरंगाबाद को सम्मानित किया गया। साथ ही ट्रस्ट के कई पदाधिकारियों और सहयोगियों को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मान-चिन्ह प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्टी शिव मोहन माथुर ने किया तथा सचिव कमलदीप सलूजा ने आभार व्यक्त किया।

सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसे और अधिक सशक्त बनाकर किसानों, ग्रामीणों एवं छोटे उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक उत्थान का प्राचीन और प्रभावी माध्यम है, जिसे आधुनिक तकनीक, पारदर्शिता और जनभागीदारी के साथ जोड़कर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सहकारी मॉडल का समयबद्ध और परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रही है, जिससे आमजन को इसका अधिकतम लाभ मिल सके। सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली को सरल और प्रभावी बनाकर किसानों को ऋण, बीज और विपणन जैसी सुविधाएं सहज उपलब्ध कराई जाएंगी।

महुआ महोत्सव में गूंजा लोक संस्कृति का रंग, नृत्य-नाट्य में जीवंत हुआ छत्रसाल का शौर्य

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की तेरहवीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय महुआ महोत्सव में रविवार को लोक संस्कृति, लोकनृत्य और रंगमंच की विविध प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने अपनी पारंपरिक कला का प्रदर्शन किया।

महोत्सव के दूसरे दिन महाबली छत्रसाल बुंदेल केसरी के जीवन पर आधारित नृत्य-नाट्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। प्रस्तुति में बुंदेली राई नृत्य, आल्हा गायन और तलवारबाजी के माध्यम से छत्रसाल के शौर्य, धर्मनिष्ठा और प्रजा-प्रेम को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया गया। नृत्य-नाट्य में उनके संघर्ष, स्वराज के संकल्प और बुंदेलखंड में स्वतंत्र राज्य की स्थापना की गाथा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा महोत्सव में उत्तराखंड का तांदी नृत्य, उत्तर प्रदेश का करमा नृत्य और हरियाणा का पनिहारी नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा और लोकवाद्यों की धुन पर अपनी सांस्कृतिक विरासत का परिचय दिया। दर्शकों ने इन प्रस्तुतियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

दोपहर के सत्र में बच्चों के लिए कठपुतली प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें कलाकारों ने कठपुतली निर्माण की बारीकियों से अवगत कराया। साथ ही लोककथाओं पर आधारित रोचक प्रस्तुतियां भी दी गईं। महोत्सव परिसर में शिल्प मेला और देशज व्यंजन प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। आयोजकों ने बताया कि महोत्सव के आगामी दिनों में देश के विभिन्न राज्यों के लोकनृत्य, लोकगायन और नृत्य-नाट्य प्रस्तुत किए जाएंगे। जनजातीय संग्रहालय की वर्षगांठ के अवसर पर सोमवार के अवकाश दिवस पर भी संग्रहालय दर्शकों के लिए खुला रहेगा। यह आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और लोक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है।

आसमान में दिखेगा दुर्लभ खगोलीय नजारा

आज से शुक्र और बृहस्पति आएंगे बेहद करीब

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः पश्चिमी आकाश में 8 से 10 जून के बीच एक दुर्लभ और आकर्षक खगोलीय घटना देखने को मिलेगी, जब सौरमंडल के दो सबसे चमकीले ग्रह शुक्र (वीनस) और बृहस्पति (जुपिटर) एक-दूसरे के बेहद करीब नजर आएंगे। इस खगोलीय स्थिति को 'कंजंक्शन' कहा जाता है।

नेशनल अवॉर्ड प्राप्त खगोल विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि यह दृश्य 9 जून की शाम अपने चरम पर होगा, जब दोनों ग्रहों के बीच की कोणीय दूरी घटकर लगभग 1.5 से 1.6 डिग्री रह जाएगी। उन्होंने बताया कि ये ग्रह अंतरिक्ष में भले ही करोड़ों किलोमीटर दूर हैं, लेकिन पृथ्वी से देखने पर एक-दूसरे के बहुत करीब दिखाई देंगे। सारिका ने बताया कि इस अद्भुत नजारे को देखने के लिए टेलीस्कोप की आवश्यकता नहीं होगी। सूर्यास्त के बाद पश्चिमी आकाश में आसानी से इन दोनों ग्रहों को देखा जा सकेगा। शुक्र ग्रह सबसे चमकीले सफेद प्रकाश के साथ दिखाई देगा, जबकि बृहस्पति पीली-सफेद आभा बिखेरता नजर आएगा। उन्होंने बताया कि 11 से 15 जून के बीच बुध ग्रह भी इस खगोलीय श्रृंखला में शामिल हो जाएगा, जिससे पश्चिमी आकाश में 'प्लैनेट परेड' जैसा दृश्य बनेगा। इसके बाद 16 और 17 जून को चंद्रमा भी इन ग्रहों के पास दिखाई देगा, जिससे यह दृश्य और अधिक मनमोहक हो जाएगा।

पिलर गिरने से 11 केवी की लाइन टूटी मेट्रो निर्माण में बड़ी लापरवाही

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी के करोंद चौराहे के पास मेट्रो निर्माण कार्य के दौरान शनिवार को बड़ी लापरवाही सामने आई। निर्माणाधीन मेट्रो का एक पिलर अचानक भरभराकर गिर गया, जिससे वहां से गुजर रही 11,000 वोल्ट (11 केवी) की हाई-टेंशन बिजली लाइन टूटकर सड़क पर आ गिरी। इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

सड़क पर लाइव हाई-टेंशन तार गिरने से गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस, बिजली विभाग और संबंधित एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंचीं। किसी अनहोनी को टालने के लिए बिजली सप्लाई तुरंत बंद कर दी गई और क्षेत्र को बैरिकेडिंग कर सुरक्षित किया गया। साथ ही करोंद चौराहे के यातायात को वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट किया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। व्यस्त सड़क पर पिलर और हाई-टेंशन लाइन गिरने के बावजूद समय रहते कार्रवाई होने से बड़ा हादसा टल गया।

लोगों का कहना है कि व्यस्त चौराहों पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजामों के बिना निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिससे इस तरह की गंभीर घटनाएं सामने आ रही हैं। प्रशासनिक अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाया जा रहा है कि पिलर गिरने के पीछे वास्तविक कारण क्या था तथा इसमें किसकी लापरवाही सामने आई है।

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ ई-टेंडरिंग/406/1634

कार्यालय प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ई मेल mpwrdetenders@gmail.com,edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in
फोन 0755-2553402 फैक्स-0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक-647/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ ई-टेंडरिंग

भोपाल, दिनांक 23/06/2026

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर दिनांक 23-06-2026 को 17.30 बजे तक क्रय / डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते है । निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रू. लाख में
1	2026_WRD_507949	कार्यालय उपसंचालक मिट्टी एवं धातु परीक्षण प्रयोगशाला, हथाईखेड़ा भोपाल उपकरणों की अंशाकन(केलीब्रेशन) का कार्य ।	भोपाल	5.00
			कुल योग	**5.00**

जी-14069/26 **मुख्य अभियंता (प्राक्योरमेंट)**